संरचनात्मक भूविज्ञान परिभाषा कोश

definitional dictionary of structural geology

Digital India
Power To Empower

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग),
भारत सरकार

संरचनात्मक भूविज्ञान परिभाषा कोश

Definitional Dictionary of Structural Geology

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(शिक्षा विभाग)
भारत सरकार
COMMISSION FOR SCIENTIFIC AND TECHNICAL TERMINOLOGY
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF EDUCATION)
GOVERNMENT OF INDIA
1998

© भारत सरकार, 1998
© Government of India, 1998

प्रथम संस्करण, 1998

प्रथम ई-संस्करण, 2019

मूल्य :

प्राप्ति स्थल :

1. आयोग का बिक्री एकक
फोन नं० 6105211/6101220

2. प्रकाशन नियंत्रक, भारत सरकार
सिविल लाइन्स, दिल्ली - 110054
फोन नं० 2513302/31, 2517640

प्रकाशक :

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम्,
नई दिल्ली - 110066

अध्यक्ष की कलम से

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 1961 में अपनी स्थापना समय से ही, उसे सौंपे गए कार्य-भार अनुसार भारतीय भाषाओं में शिक्षा माध्यम परिवर्तन हेतु विभिन्न विषयों में भारतीय भाषाओं की मानक शब्दावली तथा विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न विषयक पुस्तकों का निर्माण एवं प्रकाशन करता आ रहा है । इस दीर्घ अवधि में आयोग ने विभिन्न आवश्यक विषयों से संबंधित अंग्रेजी-हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषा शब्दावलियों का निर्माण एवं प्रकाशन किया है । इक्कीसवीं सदी के सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में शिक्षा एवं ज्ञानार्जन के साधन को सद्यः उपलब्धता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है । ई-गवर्नेंस, ई-व्यवसाय एवं डिजिटल इंडिया जैसे क्रिया-कलाप दैनंदिन जीवन के अंग हो गए हैं। ऐसे में आयोग ने भी इन अधुनातन साधनों का उपयोग करने का निश्चय किया । इस क्रम में आयोग द्वारा निर्मित सभी शब्दावलियों, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण आपको सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-बुक निर्माण योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया है । इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु **'संरचनात्मक भूविज्ञान परिभाषा कोश'** का ई-बुक का संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है ।

मुझे इस परिभाषा कोश का ई-संस्करण आप सबको सुलभ कराते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है । इसी भांति आयोग द्वारा अन्य विषयों के भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की शब्दावली, परिभाषा-कोशों का ई-संस्करण प्रकाशित करने के कार्य भी प्रगति पर है । आयोग को सौंपे गए महत्वपूर्ण दायित्व में से एक दायित्व, निर्मित शब्दवलियाँ प्रयोक्ताओं तक पहुँचाने का रहा है । इलेक्ट्रोनिक माध्यम से आयोग अपने प्रकाशनों के प्रचार-प्रसार में अधिक प्रभावशाली होगा । मुझे आशा है आयोग द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से निर्मित शब्दावलियाँ जन-जन तक पहुंचेगी साथ ही सभी जिज्ञासु इस ई-संस्करण का अधिक से अधिक लाभ उठा सकेंगे।

प्रो० कुमा०

प्रो. अवनीश कुमार

अध्यक्ष

संरचनात्मक भूविज्ञान परिभाषा कोश ई-शब्द संग्रह निर्माण से संबद्ध आयोग के अधिकारी

प्रधान संपादक

प्रो. अवनीश कुमार

अध्यक्ष

संपादक

डॉ. अशोक एन. सेलवटकर

(सहायक निदेशक)

श्री शिव कुमार चौधरी

(सहायक निदेशक)

श्री जय सिंह रावत

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

श्रीमती चक्प्रम बिनोदिनी देवी

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

सुश्री मर्सी ललरोहलू हमार

(सहायक वैज्ञानिक अधिकारी)

प्रस्तावना

यह "संरचनात्मक भूविज्ञान परिभाषा कोश" भूविज्ञान विषयक प्रकाशनों की श्रृंखला में शब्दावली आयोग का चतुर्थ प्रकाशन है । आयोग ने सर्वप्रथम "भूविज्ञान परिभाषा कोश" प्रकाशित किया था जिसमें संबंधित आधारभूत तकनीकी शब्दों को परिभाषित किया गया था । आयोग का द्वितीय परिभाषा कोश "सामान्य भूविज्ञान" था जिसमें भू-आकृति विषय से संबंधित तकनीकी शब्दों की विवचेन की गई । "शैलविज्ञान परिभाषा कोश" में आग्नेय, अवसादी एवं कायांतरित प्रकार के शैलों से संबंधित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के तकनीकी शब्दों को परिभाषित किया गया है ।

लोकप्रियता की दृष्टि से देखते हुए "संरचनात्मक भूविज्ञान का परिभाषा कोश" को प्रस्तुत करते हुए हमें बड़ी प्रसन्नता हो रही है । हमें पूर्ण आशा है कि यह परिभाषा कोश भूविज्ञान के स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं इस विषय में रुचि रखने वाले लेखकों की आवश्यकताओं की भली-भाँति पूर्ति करेगा ।

तकनीकी शब्दों की परिभाषाओं में बार-बार तकनीकी पर्यायों के प्रयोग से उनमें सुस्थिरता आ जाती है तथा उनमें निहित धारणाएँ और संकल्पनाएँ उस विषय के सामान्य पाठकों के लिए सरल और बोधगम्य हो जाती हैं । परिभाषा कोशों द्वारा नवनिर्मित तकनीकी शब्दों या पर्यायों की सार्थकता का भी वास्तविक संदर्भों में परीक्षण हो जाता है, जो तकनीकी शब्दों के मानकीकरण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है ।

पत्थर मात्र पत्थर ही नहीं हैं, उनका उद्भव और वर्तमान अस्तित्व भूवैज्ञानिक अतीत में निहित एक रोचक इतिहास है, जिसका संपूर्ण ब्यौरा उनकी संरचना, गठन एवं रासायनिक संघटन आदि तथ्यों के क्रमिक अध्ययन से पता किया जा सकता है । प्रस्तुत परिभाषा कोश में इन बातों का विवरण विस्तृत रूप से दिया गया है ।

इस परिभाषा कोश को तैयार करने के लिए आयोग ने देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों तथा भाषाशास्त्रियों का सहयोग प्राप्त किया जिसके लिए हम उनके हृदय से आभारी हैं । पूर्व विषय अधिकारी श्री लक्ष्मीकांत पांडेय का कोश के निर्माण एवं संपादन में बहुमूल्य योगदान रहा है । इस परिभाषा कोश के संबंध में सुझाव एवं प्रतिक्रियाओं को सराहा जाएगा ताकि आगामी संस्करण को अधिकाधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया जा सके ।

(डॉ॰ हरीश कुमार)
अध्यक्ष

नई दिल्ली
मार्च, 1998

विशेषज्ञ परामर्श मंडल

1. प्रो॰ प्रेम स्वरूप सकलानी
   पूर्व अध्यक्ष,
   वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,
   भूविज्ञान-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली ।

2. डॉ॰ अशोक कुमार दुबे,
   वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान,
   नई दिल्ली ।

3. श्री लक्ष्मीकांत पांडेय,
   पूर्व सहायक निदेशक,
   वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,
   नई दिल्ली ।

4. प्रो॰ प्रमोद कुमार वर्मा,
   भूविज्ञान विभाग,
   दिल्ली विश्वविद्यालय,
   दिल्ली ।

5. डॉ॰ आर॰ ए॰ चान्सरकर,
   रक्षा भूभाग अनुसंधान प्रयोगशाला,
   मेटकाफ भवन,
   दिल्ली ।

6. डॉ॰ राम अवतार सिंह,
   भूविज्ञान विभाग,
   बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
   वाराणसी ।

7. प्रो॰ विनय झिंगरन,
भूविज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली ।

8. प्रो॰ विजय कुमार गैरोला,
भूविज्ञान विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी ।

9. डॉ॰ विनोद कुमार सिंह,
भूविज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली ।

10. श्री वैभव श्रीवास्तव,
भूविज्ञान विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी ।

आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य

अध्यक्ष

डॉ॰ हरीश कुमार

सदस्य

1. डॉ॰ अनूप चोपड़ा
प्रोफसर, ई॰एन॰टी॰
लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल,
नई दिल्ली ।

2. प्रो॰ कीर्ति सिंह
सदस्य,
कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड,
पूसा, नई दिल्ली ।

3. प्रो॰ बी॰ डी॰ नौटियाल
सिविल इंजीनियरी विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी ।

4. श्री डी॰ बी॰ डिमरी
पूर्व महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,
कलकत्ता ।

5. प्रो॰ प्रेम सिंह
भाषाविज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली ।

6. प्रो॰ लक्ष्मण सिंह कोठारी
पूर्व अध्यक्ष, भौतिकी विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली ।

संपादन तथा समन्वय

प्रमुख संपादक

डॉ॰ हरीश कुमार, अध्यक्ष

संपादक

श्री सत्य पाल अरोड़ा

सहायक संपादक

श्री अवनीश कुमार

कंप्यूटरीकरण

1. श्री अवनीश कुमार
2. श्री दीपक कुमार
3. श्री राम पलट

प्रकाशन

1. श्री धीरेंद्र राय
2. श्री शिव कुमार चौधरी
3. श्री आलोक वाही

विषय - सूची

पृष्ठ संख्या

1.	प्रस्तावना	iii-iv
2.	विशेषज्ञ परामर्श मंडल	v-vi
3.	आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य	vii
4.	संपादन तथा समन्वय	ix
5.	परिभाषा कोश	1-60

abnormal anticlinorium

अपसामान्य समपनति

वह समपनति जिसमें गौण वलनों के अक्षीय तल नीचे की ओर परस्पर अलग होते हुए प्रतीत होते हैं ।

abnormal synclinorium

अपसामान्य समभिनति

वह समभिनति जिसमें गौण वलनों के अक्षीय तल नीचे की ओर परस्पर मिलते हुए प्रतीत होते हैं ।

absolute movement

निरपेक्ष संचलन

वह संचलन परिमाण जिसमें सापेक्ष विस्थापन अथवा दिशा अव्यक्त हों ।

accreting plate boundary

अभिवर्धी प्लेट सीमा

विपरीत दिशाओं में गतिशील दो निकटवर्ती स्थलमंडलीय (lithospheric) प्लेटों का वह उभयनिष्ठ किनारा जहाँ नई पर्पटी का निर्माण होता है ।

acline

अनति

गतिविहीन संस्तर, अवलित या क्षैतिज स्थिति में पाए जाने वाले संस्तर ।

aclinic

अनतिक

नमनशून्य यथा नतिविहीन, इस प्रकार से स्थित कि वहाँ कम्पास की सुई कोई नति न दिखाए, जैसे अनतिक रेखा या चुंबकीय निरक्ष (magnetic equator) ।

active fault — **सक्रिय भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें अनुदिश पुनरावर्ती संचलन होता है, जो प्रायः छोटा, समयबद्ध विस्थापन अथवा भूकंपीय सक्रियता के रूप में परिलक्षित होता है ।

adhesive strength — **आसंजनशील सामर्थ्य**

किसी पदार्थ में प्रतिबल की वह अधिकतम सीमा जो आंतरिक घर्षण के साथ मिलकर अपरूपणी विभंग के निर्माण के विरुद्ध उसमें अपरूपणी प्रतिरोध को उत्पन्न करती है ।

angular shear — **कोणीय अपरूपण**

अपरूपण के कारण दो पूर्व लंबवत् रेखाओं के बीच कोणीय परिवर्तन ।

angular unconformity — **कोणीय विषमविन्यास**

वह विषमविन्यास जिसमें विषयविन्यासी संस्पर्श के नीचे स्थित संस्तर ऊपरी संस्तरों के निक्षेपित होने के पूर्व वलन और अपरदन के दौर से गुज़र चुके होते हैं । फलतः इसमें दोनों प्रकार की शैल श्रेणियां समांतर नही होतीं ।

anticlinal — **अपनतिक**

अपनति से संबंधित ।

anticline — **अपनति**

वह वलन जिसकी दोनों भुजाओं के संस्तर एक उभयनिष्ठ रेखा या शीर्ष से विपरीत दिशाओं में नत होते हैं । इसके क्रोड में पुरातन शैल स्थित रहते हैं । अभिनति (syncline) का विपरीतार्थक शब्द ।

anticlinal axis — **अपनतिक अक्ष**

अपनतिक मोड़ में किसी स्तर का अक्षीय तल से प्रतिच्छेद ।

anticlinal fold — **अपनतिक वलन**

ऐसा वलन जो किसी अपनति का निर्माण करता हो ।

anticlinal mountains — **अपनतिक पर्वत**

किसी अपनति के अक्ष के साथ-साथ विकसित पर्वत श्रेणी ।

anticlinorium — **समपनति**

अपनतियों और अभिनतियों की ऐसी श्रृंखला जिसमें ये संरचनाएं इस प्रकार से विन्यस्त रहती हैं कि कुल मिलाकर इनकी सामान्य रूपरेखा एक विशालकाय अपनति सी लगती है ।

antiform — **अपनतिरूप**

ऊपर की ओर उत्तल (convex) ऐसा वलन जिसमें स्तरिक अनुक्रम ज्ञात न हो ।

antiformal syncline — **अपनतिरूपी अभिनति**

ऊपर की ओर उत्तल अभिनति जिसके क्रोड में नूतन शैल हों ।

antithetic fault — **प्रतिनति भ्रंश**

वह गौण भ्रंश जिसकी नति प्रधान भ्रंश की नति के विपरीत दिशा में हो ।

apparent dip — **आभासी नति**

नतिलंब (strike) के समकोणिक सेक्शन छोड़कर अन्य किसी भी सेक्शन में प्रेक्षित शैल की परत की नति । आभासी नति, वास्तविक नति का एक संबद्ध घटक है । अत: यह उससे सदैव कम होता है ।

arch bend — **चाप मोड़**

किसी वलन में सामान्य एवं उत्क्रमिक (inverted) भुजा के बीच मुड़ा हुआ भाग ।

asymmetrical fold — **असममित वलन**

वह वलन जिसका अक्षीय तल उसे दो सममित भागों में विभाजित नहीं करता ।

atectonic — **अविवर्तनिक**

पर्वतन न होने की घटना को वर्णन करने के लिए एक विशेषण ।

atectonic pluton — **अविवर्तनिक प्लूटॉन**

वह प्लूटॉन जिसका अभिस्थापन (emplacement) उस समय होता है जब पर्वतन नहीं हो रहा होता ।

augen structure — **चाक्षुष संरचना**

कुछ नाइसों तथा ग्रेनाइटों में विकसित नेत्र-सदृश एक संरचना । यह संरचना कुछ खेदार घटक-खनिजों जैसे स्फटिक, फेल्डस्पार, गार्नेट आदि के दीर्घवृत्तीय या लेन्साकार रूपों में एकत्रित हो जाने से उत्पन्न होती है । अभ्रक या हार्नब्लेन्ड

I — 89/CSTT/ND/98

के रेखीय पत्रकों से घिरे होने पर यह संरचना और भी स्पष्ट हो जाती है ।

autochthon — **स्वस्थानिक शैलपिंड**

वे शैल जो वलन एवं भ्रंश की क्रियाओं द्वारा अत्यधिक प्रभावित होने पर भी अपने मूल निक्षेपण स्थान पर ही हों अथवा उस स्थान की अपेक्षा में बहुत कम संचालित हुए हों ।

autochtonous — **स्वस्थानिक**

उन शैलों के लिए प्रयुक्त एक शब्द जिनके प्रधान घटक स्वस्थाने या उसी स्थान पर निर्मित हुए हों ।

axial plane cleavage — **अक्षीय तल विदलन**

वह शैल-विदलन जो अनिवार्यतः किसी वलन के अक्षीय तल के समांतर हो ।

axial plane schistosity — **अक्षीय तल शिष्टाभता**

वलनों के अक्षीय तल के समांतर विकसित शिष्टाभता ।

axis of fold — **वलन अक्ष**

वलन की सतह पर स्थित वह रेखा जिसके समांतर गुज़रती हुई रेखा से निर्मित पथ द्वारा वलन का स्वरूप प्राप्त होता है । बेलनाकार (cylindrical) वलनों में वलन अक्ष तथा वलन हिन्ज एक ही रेखा द्वारा निरूपित होते हैं ।

2—A—89/CSTT/ND/98

basin — **द्रोणी, बेसिन**

(क) भू-पर्पटी में प्राय: एक तश्तरीनुमा गर्त जो तली के धंसने के फलस्वरूप बनता है ।

(ख) किसी बड़ी नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह क्षेत्र ।

(ग) वह अवनमित भू-क्षेत्र जिसमें सभी स्तर चारों ओर से भीतर की ओर नत होते हैं ।

batholith (bathylith) — **महास्कंध, बैथालिथ**

अदृश्य आधार वाला एक अति विशाल, अनियमित तथा अननुस्तरी (discordant) वितलीय आग्नये संरचना जिसका व्यास गहराई के साथ-साथ बढ़ता जाता है और जो सामान्यत: ग्रेनाइट या ग्रेनोडायोराइट से संघटित होता है । भूपृष्ठ पर इसके अनावरण का क्षेत्रफल 100 वर्ग कि॰मी॰ से अधिक होता है ।

bed — **1. संस्तर, 2. तल**

1. (क) किसी स्तरिक शैल-श्रेणी का सबसे छोटा भाग जो अपने ऊपरी और निचली परतों से एक विभाजक तल द्वारा सुस्पष्ट रूप से पृथक्कृत रहता है ।

(ख) किसी दृश्यांश या किसी खदान के अंताग्र का वह भाग जो दो संस्तरण तलों के बीच स्थित रहता है ।

(ग) परत के रूप में विन्यस्त किसी पदार्थ (जैसे अयस्क) का पिंड या उसकी राशि ।

2. किसी जलमार्ग या जलराशि का अधस्तल ।

bedding planes **संस्तरण विदलन**

अवसादी या स्तरित शैलों में वे विभाजक तल जो परतों या स्तरों को परस्पर अलग करते हैं ।

bedding fault **संस्तरण भ्रंश**

नतिलंब भ्रंश (strike fault) का वह प्रकार जिसमें भ्रंश तल एवं निकटवर्ती शैल-संस्तरण समांतर हों ।

bedding plane **संस्तरण तल**

अवसादी या स्तरित शैलों में वे विभाजक तल जो परतों या स्तरों को परस्पर अलग करते हैं ।

belteroporic fabric **बेल्टेरोपोरिक संविन्यास**

एक प्रकार का शैल संविन्यास जिसमें वरीय अभिविन्यास (preferred orientation) खनिजों की दिशा विशेष में सुगम अभिवृद्धि के कारण होता है ।

biaxial stress **द्विअक्षीय प्रतिबल**

वह प्रतिबल तंत्र जिसमें तीन प्रमुख प्रतिबलों में से एक प्रतिबल शून्य होता है ।

block — **1. भ्रंशोत्थ ब्लॉक, 2. खंड**

1. किसी पर्वतनिक तंत्र के भीतर अपेक्षाकृत स्थायी, सुदृढ़ शैलांश जो वलन संचलनों अथवा भ्रंश संचलनों के दौरान एक इकाई के रूप में होता है ।

2. विस्फोटन के फलस्वरूप बहिःक्षिप्त जमे हुए लावा या अन्य शैलों के अनियमित आकार के कोणीय कण जो 5 सें॰मी॰ तथा उससे अधिक साइज के होते हैं ।

block faulting — **खंड-भ्रंशन**

भूवैज्ञानिक-भ्रंशन (faulting) क्रिया जिससे संरचनात्मक खंड उत्पन्न होते हैं ।

block mountain — **भ्रंशोत्थ पर्वत**

fault-block mountain का समानार्थी शब्द ।

boundary fault — **सीमा भ्रंश**

दो प्रमुख स्तरिकी (stratigraphic) शैलों को अलग करने वाला भ्रंश (समांतर विद्यमान भ्रंश) ।

box fold — **बॉक्स वलन**

दो हिन्जों वाला ऐसा वलन जिसकी भुजाएं किसी आयत की तीन भुजाओं के लगभग सदृश हों ।

breccia — **संकोणाश्म**

कोणीय घटकों से निर्मित एक खंडमय शैल । इसके घटक संगुटिकाश्मों (conglomerate) की तरह जलघृष्ट नहीं होते हैं ।

brecciation — **संकोणाश्मन**

संकोणाश्म बनने का प्रक्रम ।

Brunton compass — **ब्रन्टन कम्पास**

एक सुग्राही कम्पास जिसका उपयोग स्थलाकृति और भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में होता है ।

buckle folding — **आकुंचन वलन**

पार्श्व संपीडन के कारण असमर्थ परतों के बीच, समर्थ परत में बनने वाला वलन ।

buckling — **आकुंचन**

मुड़ने की क्रिया या प्रक्रम अथवा आमोटन के विकृत होने की क्रिया ।

bysmalith — **रोधनी स्कंध**

एक रूपांतरित लैकोलिथ जिसकी छत परिधीय भ्रंशन द्वारा अंशतः उठ गई हो ।

β-diagram — **β–आरेख**

त्रिविम 'नेट' पर दर्शाया जाने वाला यह आरेख जिसमें किसी सतह के प्रक्षेप को निरूपित किया जाता है ।

capable fault — **सक्षम भ्रंश**

वह भ्रंश जिसके अनुदशि भविष्य में संचलन संभव हो ।

chevron fold — **कोणीय वलन**

दो बराबर भुजाओं वाला ऐसा वलन जिसकी भुजाएँ हिन्ज पर तीक्ष्ण कोण बनाती हों ।

cleavage — **विदलन**

(क) क्रिस्टलिकी में, खनिजों की अपने न्यूनतम ससंजक तलों के अनुदिश विपाटित होने की प्रवृत्ति ।

(ख) शैलकी में, कुछ निश्चित समांतर तथा पास-पास अंतराली तलों से होकर शैलों की टूटने अथवा विपाटित होने की प्रवृत्ति ।

cleavage plane — **विदलन तल**

वह तल जिसके अनुदिश विदलन घटित होता है ।

closed fold — **संवृत्त वलन**

ऐसा वलन जिसका अंतराभुजीय कोण 30° से 70° के बीच हो ।

columnar jointing — **स्तंभी संधि**

संधियों का वह प्रकार जिससे शैल अलग-अलग स्तंभों में विभक्त हो जाते हैं । इस प्रकार की संधियाँ बेसाल्टी शैलों में संकुचन के परिणाम स्वरूप निर्मित होती हैं ।

columnar strucuture **स्तंभी संरचना**

बेसाल्ट और अन्य लावाओं में मिलने वाली एक सामान्य भूवैज्ञानिक संरचना। इसमें शैल कुछ ऊर्ध्वाकार प्रिज्मों या स्तंभों में विभाजित रहते हैं जिनकी अनुप्रस्थ काट में सामान्यत: 6 पार्श्व होते हैं किंतु कभी-कभी 3 से लेकर 8 पार्श्व भी विकसित हो जाते हैं।

combined L-S tectonite **संयुक्त एल-एस टेक्टोनाइट**

वह एल-एस टेक्टोनाइट जिसमें दो या अधिक तलीय एवं/अथवा रेखीय संरचनाएं सम्मिलित हों।

complex L-S tectonite **जटिल एल-एस टेक्टोनाइट**

वह एल-एल टेक्टोनाइट जिसमें रेखीय एवं तलीय संविन्यास केवल रेखीय अथवा तलीय संविन्यासी अवयवों से निर्मित होता है।

concentric fold **संकेंद्री वलन**

ऐसा वलन जिसके सभी संस्तरों की मोटाई सर्वत्र एक समान हो।

conformity **संविन्यास**

संस्तरों का अविछिन्न अनुक्रम जिसमें कोई असांतत्य नहीं मिलता। 'विषमविन्यास' का विपरीतार्थ।

conjugate joints

संयुग्मी संधि

संधियों का ऐसा समूह जिसमें दो या अधिक संधि समुदाय, समान विरूपण प्रावस्था में उत्पन्न हुए हों ।

conservative plate boundary

संरक्षी प्लेट सीमा

दो प्लेटों की बीच की वह सीमा जिसके अनुदिश प्लेटों की न तो वृद्धि होती है न ही उनका विनाश ।

conservative plate margin

संरक्षी प्लेट उपांत

किसी संरक्षी प्लेट का वह किनारा जो समकक्षी संरक्षी प्लेट के निकट हो । conservative plate boundary भी देखें ।

constructive plate boundary

रचनात्मक प्लेट सीमा

accreting plate boundary देखें ।

constructive plate margin

रचनात्मक प्लेट उपांत

निकटवर्ती प्लेट के सापेक्ष दूर जाते हुए किसी प्लेट का वह किनारा जो अपसारी (divergent) प्लेट सीमा के निकट हो । प्लेट की अभिवृद्धि इसी किनारे पर होती है ।

contour

समोच्च रेखा

मानचित्र पर समान ऊँचाइयों के बिंदुओं को मिलानेवाली एक कल्पित रेखा ।

contour interval

समोच्च रेखांतराल

क्रमागत समोच्च रेखाओं के बीच उच्चता में अंतर ।

contour map

समोच्चरेखी मानचित्र

ऊँचाई के नियमित अंतरालों पर खींचे गए समोच्च रेखाओं के द्वारा (जैसे प्रत्येक 20 फुट के लिए एक) पृष्ठ के आकृतिविन्यास को प्रदर्शित करने वाला मानचित्र ।

convergent plate boundary

अभिसारी प्लेट सीमा

एक दूसरे के सापेक्ष अभिसारी गति वाली दो प्लेटों के बीच की सीमा । इस सीमा के अनुदिश एक प्लेट दूसरे प्लेट के नीचे जाकर दुर्बलतामंडल (asthenosphere) में विलीन हो जाती है ।

convergent plate margin

अभिसारी प्लेट उपांत

destructive plate margin की परिभाषा देखें ।

contemporaneous fault

समकालिक भ्रंश

growth fault की परिभाषा देखें ।

C-optics axis

सी–प्रकाशिक अक्ष

क्रिस्टल के सी–अक्ष के अनुदिश वह प्रकाशिक अक्ष जिसमें द्विअपवर्तन नहीं होता ।

correlation — **सहसंबंध, सहसंबंधन**

अलग- अलग क्षेत्रों में स्थित दो शैल समूहों या अन्य स्तरिकीय इकाइयों (stratigraphic units) की भूवैज्ञानिक आयु और स्तरिकीय स्थिति का तुल्यता-निर्धारण अथवा मोटे तौर पर दो प्रदेशों के भूवैज्ञानिक इतिहास में घटनाओं की समकालीनता स्थापित करने का प्रक्रम ।

creep — **विसर्पण**

अदृढ़ खंडित शैल-पदार्थों का ऊपर से नीचे की ओर मंद संचलन ।

crenulations — **सूक्ष्म वलन**

छोटे आकार के वलन ।

crest — 1. शिखर 2. **शीर्ष**

1. किसी पहाड़ी या पर्वत का उच्चतम प्राकृतिक भाग जहाँ से उसका पृष्ठ नीचे की ओर विपरीत दिशाओं में नत होता है ।
2. किसी अपनति रूप का उच्चतम भाग या बिंदु ।

crestal plane — **शीर्ष तल**

किसी अपनति रूप में सभी संस्तरों के शीर्षों को मिलाने से बना हुआ तल ।

cross bedding — **क्रॉस संस्तरण**

अवसादी शैलों में पाया जाने वाला ऐसा स्तरण (stratification) जो मुख्य स्तरण तल के प्रति तिरछा या अनुप्रस्थ होता है तथा किसी एक ही संस्तर में सीमित रहता है । इस प्रकार का स्तरण अवसादों पर तीव्र स्थानीय धाराओं या भँवरदार वायु के झोंकों के प्रभाव से उत्पन्न होता है ।

cross fault — **क्रॉस भ्रंश**

1. वह भ्रंश जिसका नतिलंब, संबद्ध संस्तरों अथवा सामान्य संरचनात्मक दिशा प्रवृत्ति के नतिलंब के लंबवत् या तिर्यक् हो ।
2. वह लघु भ्रंश जो किसी प्रधान भ्रंश को काटता हो ।

cross joint — **तिर्यक् संधि, क्रॉस संधि**

शैलों में वे संधियाँ जो अपेक्षतया अधिक सुस्पष्ट संधियों को लगभग लंबवत् काटती है ।

crystallographic domain — **क्रिस्टल-संरचनात्मक प्रक्षेत्र**

इस प्रक्षेत्र (domain) के अंतर्गत अविकृत अथवा अत्यल्प रूप से विकृत खनिज कण आते हैं । क्रिस्टल संरचनात्मक प्रक्षेत्रों का महत्व संरचनात्मक संविन्यास की अपेक्षा क्रिस्टलविज्ञान में अधिक होता है क्योंकि इनका विकास क्रिस्टलिकी के नियमों के अंतर्गत होता है ।

cuspate fold — **वाणाग्र वलन**

ऐसा वलन जिसकी संरचना वाण के शीर्ष के समान हो ।

cylindrical fold — **बेलनी वलन**

ऐसा वलन जिसमें हिन्ज रेखा के समांतर गुज़रती हुई रेखा उसे वलन का स्वरूप प्रदान करती है ।

decollement — **अपकर्तन** *(डिकॉलेमेन्ट)*

वह प्रक्रम जिसमें किसी असमर्थ शैल परत के विसर्पण के कारण अधःशायी एवं उपरिशायी शैलों में अलग-अलग प्रकार का विरूपण फलित होता है ।

decollement scarp — **डिकॉलेमेन्ट, अपकर्तन कगार**

अधःस्थ शैलों के ऊपर अवगामी शैलों में विसर्पण से निर्मित कगार ।

destructive plate margin — **विनाशात्मक प्लेट उपांत**

निकटवर्ती प्लेट के सापेक्ष उसके पास आते हुए किसी प्लेट का वह किनारा जो अभिसारी प्लेट सीमा के निकट हो । यह किनारा दूसरे प्लेट के नीचे आकर दुर्बलता मंडल (asthenosphere) में विलीन (consumed) हो जाता है । convergent plate margin का समानार्थी ।

detachment normal fault — **विलगित सामान्य भ्रंश**

एक प्रकार का अल्प कोणिक सामान्य भ्रंश जिसका निर्माण किसी उत्थित भूभाग से शैलों के अधः-संचलन के फलस्वरूप होता है ।

detachment thrust — **विलगित भ्रंश**

एक प्रकार का अल्प कोणिक क्षेत्र भ्रंश जिसका निर्माण किसी अपकर्तन (decollement) सतह पर शैलों के अधिसंचलन के फलस्वरूप होता है ।

diagonal fault — **विकर्ण भ्रंश**

वह भ्रंश जिसकी प्रवृत्ति संबद्ध स्तरों के नतिलंब (strike) के तिर्यक् हो ।

diagonal-slip fault — **विकर्ण-सर्पण भ्रंश**

वह भ्रंश जिसके तल पर नेट सर्पण भ्रंश नति अथवा भ्रंश नतिलंब के समांतर न हो ।

diastrophism — **पटलविरूपण**

वह प्रक्रम जिसके द्वारा भूपर्पटी का विरूपण हो जाता है । जिससे महाद्वीपों, सागर-द्रोणियों, पठारों तथा पर्वतों, वलनों और भ्रंशों इत्यादि का निर्माण होता है ।

diastrophic movement — **पटलविरूपणी संचलन**

वह संचलन (उथल-पुथल) जिसके द्वारा पटलविरूपण होता है ।

dip — **नति**

क्षैतिज तल के साथ ऊर्ध्व तल में किसी शैल-स्तर द्वारा निर्मित कोण । यथार्थ नति की दिशा सदैव नतिलंब (strike) के लंबवत् होती है ।

dip fault — **अनुनति भ्रंश**

वह भ्रंश जिसका नतिलंब संबद्ध स्तरों के नतिलंब के लंबवत् होता है ।

dip joint — **अनुनति संधि**

वह संधि जिसका नतिलंब संस्तरण या विदलन के नतिलंब के लंबवत् हो ।

dip isogon — **नति आइसोगॉन**

किसी वलित परत की ऊपरी और निचली सतहों में समान नति वाले बिंदुओं को मिलाने वाली रेखा ।

dip separation — **नति पृथकन**

भ्रंश-नति के अनुदिश मापित पृथकन दूरी ।

dip slip — **नति सर्पण**

भ्रंश तल की नति के समांतर नेट सर्पण का घटक ।

dip slip fault — **नति-सर्पण-भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें नेट सर्पण भ्रंश-नति के लगभग अनुदिश होता है ।

disconformity — **अपसंविन्यास**

वह विषमविन्यास जिसमें विषमविन्यासी संस्पर्श के दोनों ओर स्थित संस्तर समांतर होते हैं ।

disharmonic folding **विविधरूपी वलन**

ऐसा बहुपरती वलन जिसके संस्तरण तलों/शल्कनों का तरंगदैर्ध्य तथा आयाम एक समान हो ।

dislocation **स्थान-भ्रंश**

किसी विदर या भ्रंश के अनुदिश संचलन द्वारा शैलों का विस्थापन ।

divergent plate bound **अपसारी प्लेट सीमा**

accreting plate boundary की परिभाषा देखें ।

divergent plate margin **अपसारी प्लेट उपांत**

देखें constructive plate margin.

domain **प्रक्षेत्र/डोमेन**

संरचनात्मक भूविज्ञान में प्रक्षेत्र का अभिप्राय किसी शैलपिंड के निश्चित त्रिविमीय भाग से है जो उस स्थान में सांख्यिकीय समांगता प्रदर्शित करता है । सामान्यतः किसी प्रक्षेत्र की परिसीमा शैल संरचना एवं संगठन आदि में प्रमुख असांतत्य के प्राकृतिक पृष्ठों द्वारा निर्धारित होती है ।

doubly plunging fold **द्वि अवनमनी वलन**

वह अपनतिरूपक या अभिनतिरूपक वलन जिसका अवनमन दो विपरीत दिशाओं में हो ।

drag fold

कर्षज वलन

ऐसा वलन जिसका निर्माण समर्थ एवं असथर्म संस्तरों के बीच कर्षण (dragging) के कारण होता है। ऐसे वलनों का उद्भव भ्रंशन प्रक्रिया के फलस्वरूप भ्रंशतल के निकट भी हो सकता है।

drape fold

ड्रेप वलन

किसी परतदार शैल में बना वह वलन जिसका निर्माण उसके नीचे स्थित भंगुर शैलों के संचलन अथवा भ्रंशन के कारण होता है।

elastic deformation

प्रत्यास्थ विरूपण

ऐसा विरूपण जो उसे उत्पन्न करने वाले प्रतिबलों को हटाने से लुप्त हो जाता है।

elastica fold

एलास्टिका वलन

वह वलन जिसमें अंतराभुजीय कोण (interlimb angle) 0° से कम हो। पंखा वलन का समानार्थी।

elasticity

प्रत्यास्थता

किसी पदार्थ पर बल डालने से जो विकृति होती है, यदि वह बल हटा लेते ही पूर्व अवस्था में आ जाए तो पदार्थ के इस गुण को प्रत्यास्थता कहते हैं।

en-echelon fault

एनएशेलॉन भ्रंश

छोटे-छोटे समांतर भ्रंशों का वह समूह जिसके भ्रंश क्रमागत भ्रंशों को अंशतः ढके रहते हैं।

equant fabric element

समविमी संविन्यास अवयव

ऐसा संविन्यास अवयव जिसकी विमाएं लगभग बराबर हों ।

erosion thrust

अपरदन क्षेप

वह क्षेप जिसमें उपरिभित्ति का विस्थापन अपरदन सतह के ऊपर हुआ हो ।

fabric

संविन्यास

किसी विरूपित शैल के सभी घटकों का त्रिविमीय एवं ज्यामितीय विन्यास । इसके अंतर्गत शैल-गठन, संरचना तथा वरीय विन्यास आदि शब्द सम्मिलित हैं ।

fabric axis

संविन्यास अक्ष

संरचनात्मक शैलिकी में शैल संविन्यास के विवरण हेतु तीन परस्पर लंबवत् संदर्भ अक्ष a, b एवं c की सहायता ली जाती है जिन्हें संविन्यास अक्ष कहा जाता है । इन अक्षों का निर्धारण शैल में उपस्थित प्रमुख संरचनात्मक लक्षणों के आधार पर किया जाता है जिसमें b-अक्ष प्रमुख संरेखण (lineation) की दिशा में तथा a एवं b शिस्टाभता तल में निहित होते हैं और c अक्ष a तथा b अक्षों के लंबवत् होता है ।

fabric diagram

संविन्यास आरेख

संरचनात्मक शैलिकी के अध्ययन में स्टीरियो-ग्राफिक अथवा समक्षेत्र नेट (equal area net) पर संविन्यास अवयवों के प्रक्षेप को दर्शाने वाला आरेख ।

3— —89/CSTT/ND/98

fabric domain — **संविन्यास प्रक्षेत्र**

किसी प्रक्षेत्र में शैल संरचनाओं का अभिलाक्षणिक विन्यास । यह समांगी अथवा विषमांगी हो सकता है ।

fabric element — **संविन्यासी अवयव**

वह रेखीय अथवा तलीय असांतत्य जो किसी टेक्टोनाइट में संविन्यास का निर्माण करता है । यह मुख्यतः तीन प्रकार का होता है । जैसे मूलगत (inherited), आरोपित (imposed) एवं संमिश्र (composite) ।

fan fold — **पंखा वलन**

वह वलन जिसकी दोनों भुजाएं प्रतिवलित हों ।

fault — **भ्रंश**

शैलों में वह विभंग जिसके दोनों खंड एक दूसरे के सापेक्ष विभंग पृष्ठ के अनुदिश विस्थापित हो जाते हैं । यह विस्थापन कुछ मिलिमीटर से कई किलोमीटर तक हो सकता है ।

fault basin — **भ्रंश द्रोणी**

वह द्रोणी जो चारों ओर से भ्रंशों से घिरी हो ।

fault block — **भ्रंश ब्लॉक**

पूर्णतः या अंशतः भ्रंशों से घिरा हुआ भूपर्पटी का वह भाग जो भ्रंशन अथवा विवर्तनिक क्रियाओं के दौरान एक इकाई के रूप में कार्य करता है ।

fault block mountain **भ्रंश ब्लॉक पर्वत**

वह पर्वत जो सामान्य भ्रंशन प्रक्रिया के कारण बना हो । 'block mountain' का समानार्थी ।

fault breccia **भ्रंश संकोणाश्म**

ऐसे कोणीय खंडों से निर्मित शैल जो भ्रंश से संबद्ध शैल-स्तरों के संचलन के फलस्वरूप निर्मित होते हैं ।

fault complex **भ्रंश संकुल**

एक दूसरे से जुड़े हुए अथवा प्रतिच्छेदित करते हुए भ्रंशों का जटिल समूह जिसमें भ्रंश समकालीन या अलग-अलग समय के हो सकते हैं ।

fault escarpment **भ्रंश कगार**

वह कगार जो भ्रंशन से बना हो ।

fault gouge **भ्रंश गाउज**

भ्रंश तलों के निकट अथवा उनके अनुदिश पाया जाने वाला चूर्णित मृत्तिका के समान पदार्थ जो प्रायः विभिन्न खनिजों का मिश्रण होता है ।

fault line **भ्रंश रेखा**

किसी भ्रंश-पृष्ठ या तल का, भूपृष्ठ अथवा किसी अन्य संदर्भाधीन तल के साथ प्रतिच्छेद ।

fault line scrap — **भ्रंश-रेखा-कगार**

पहले से ही विद्‌यमान किसी भ्रंश-रेखा के अनुदिश विभेदी अपरदन से निर्मित कगार जिसका भ्रंश-संचलन से कोई सीधा संबंध नहीं होता ।

fault mountain — **भ्रंशजपर्वत**

वह पर्वत जिसकी रचना भ्रंशन के कारण हुई हो ।

fault plane — **भ्रंश-तल**

वह समतलप्राय पृष्ठ जिसके अनुदिश विस्थापन या भ्रंशन घटित हुआ हो ।

fault outcrop — **भ्रंश दृश्यांश**

fault line की परिभाषा देखें ।

fault ramp — **भ्रंश रैम्प**

मंद नति वाले भ्रंश का वह भाग जिसमें भ्रंश-तल की नति प्रवणतर हो जाती है ।

fault set — **भ्रंश समुच्चय**

कमोबेश समांतर भ्रंशों का वह समूह जिसमें भ्रंश किसी विशेष विरूपण अवधि में बने हों ।

fault system — **भ्रंश तंत्र**

दो या अधिक भ्रंश समुच्चयों का समूह ।

fault terrace — **भ्रंश-वेदिका**

एक ही ढलान पर एक ही दिशा में विस्थापित लगभग दो समांतर भ्रंश कगारों से निर्मित एक स्थलाकृतिक वेदिका ।

fault trace — **भ्रंश अनुरेख**

भू-पृष्ठ के साथ किसी भ्रंश-पृष्ठ के प्रतिच्छेदन की रेखा ।

fault valley — **भ्रंश-घाटी**

भ्रंशन द्वारा बनी हुई घाटी ।

fault zone — **भ्रंश मंडल**

वह क्षेत्र जिसमें पास-पास अनेक छोटे भ्रंश होते हैं अथवा भ्रंश के निकट का वह क्षेत्र जिसमें भ्रंश-संकोणाश्म या भ्रंश-मृदलेप की द्विसमानता होती है ।

flanks — **पार्श्व**

वलनों की दोनों ओर की भुजाओं के लिए प्रयुक्त एक शब्द ।

flat — **1. मैदान, समस्थल 2. फ्लैट**

1. भूमि का समतल पृष्ठ जिसमें उच्चावच मामूली हो या बिल्कुल न हो ।
2. भ्रंश का वह हिस्सा जो स्थानीय रूप से क्षैतिज हो जाता है ।

flattening in fold — **वलन में चपटीकरण**

वलित परतों में विरूपण का वह प्रक्रम जिसके द्वारा मूल वलित परत का आकार संपीडन (compression) से चपटा हो जाता है । इस प्रक्रम में हिंज पर परत की मोटाई में वृद्धि एवं पार्श्वों पर उसकी मोटाई में कमी आ जाती है ।

flexure — **आनमन**

शैलस्तरों में अलग-अलग वलनों और अवलियों के लिए एक सामान्य शब्द। आनमन, वृहत् विमाओं वाला एक विस्तृत विवृत वलन हो सकता है या एक छोटा संपीडित वलन भी हो सकता है ।

flexure fold — **आनमन वलन**

एक प्रकार का वलन जिसे वास्तविक वलन भी कहा जाता है । यह वलन किसी सपाट परत के पार्श्वों पर लगने वाली संपीडनी दबाव के फलस्वरूप बनता है तथा इसमें संस्तर की मोटाई सर्वत्र समान होती है ।

flowage fold — **प्रवाही वलन**

अपेक्षाकृत सुघट्य शैलों में एक प्रकार का वलन जिसमें प्रवाह अभिनतिक गर्त की ओर हुआ हो । इस प्रकार के वलन में आभासी सर्पण सतहों का अभाव होता है ।

flow folding — **प्रवाह वलन**

ऐसा अपरूपणी या सर्पण वलन जिसमें विभ्रंशों के बीच की दूसरी अत्यंत कम होती है । इस

प्रकार के वलनों में विरूपण किसी द्रव के बहाव के सदृश होता है ।

fold — **वलन**

शैल की किसी एक परत में या संपूर्ण शैल में मोड़ अथवा आनमन ।

fold mountain — **वलन पर्वत**

वह पर्वत जो मुख्यत: भूपर्पटी में बड़े पैमाने पर वलन होने के कारण निर्मित होता है ।

fold nappe — **वलन नापे**

वह नापे जिसकी उत्पत्ति किसी विशाल अपनतिक प्रतिवलित अथवा शयान वलनों के कारण हुई हो ।

fold system — **वलन तंत्र**

समानरूपी वलनों का वह समूह जो किसी एक ही विवर्तनिक घटना के दौरान निर्मित हुआ हो ।

fold tectonics — **वलन विवर्तनिकी**

वह विवर्तनिकी प्रक्रिया जिसका संबंध वलन निर्माण से हो ।

foot — **पद, पाद**

1. आधार भित्ति (foot wall) के लिए संक्षिप्त नाम ।
2. किसी वेदिका या एकनति (monocline) का निचला मोड़ । इसे 'एक नति पाद' भी कहते है ।

footwall — **आधार-भित्ति**

किसी अंश में वह शैलखंड जो भ्रंशतल के नीचे स्थित होता है ।

foothills — **गिरिपाद**

वे अपेक्षाकृत नीची पहाड़ियाँ जो उच्चतर पहाड़ियों या पर्वतों के आधार पर स्थित होती हैं ।

foredeep — **अग्रगभीर**

1. एक लंबा, संकीर्ण अंत:समुद्री अवनमन गर्त जो महासागर की तली के अधोवलन या अधोभ्रंशन के फलस्वरूप बनता है । इस प्रकार के अधिकांश अग्रगभीर ज्वालामुखी द्वीप-चापों के उत्तल पार्श्वों के निकट स्थित होते हैं ।
2. भिन्न अर्थ में इस शब्द का अभिप्राय एक लंबे, तथा संकरे विवर्तनिक गर्त से भी है जो एक ऐसी पट्टी (belt) के साथ संलग्न रहता है जहाँ पर्वत-निर्माण का प्रक्रम चलता रहता है । इस अर्थ में अग्रगभीर का तात्पर्य यह होता है कि वह अपने निकट उठ रहे पर्वतों की तलछटों द्वारा बड़ी तेज़ी से भरता जाता है और सदा तो नहीं पर सामान्यत: पानी से ढका रहता है ।

foreland — **अग्रभूमि**

पर्वतन के दौरान पर्वत के अग्रभाग (पश्चभूमि के विपरीत दिशा वाला भाग) में बनने वाला पर्वत के समांतर रेखीय गर्त । अग्रभूमि की ओर पर्वत का ढाल पश्चभूमि की अपेक्षा अधिक होता है ।

fracture

विभंग

1. प्रतिबलों के कारण शैलों में उत्पन्न भंग या दरार जिसे बिना किसी उपकरण की सहायता से स्पष्टतः देखा जा सकता है । यह एक अल्प अंतराली संधि है ।

2. किसी खनिज की ताज़ी टूटी हुई सतह का गठन या सामान्य रूप ।

fracture cleavage

विभंग विदलन

बहुत कम अंतराल वाले समांतर विभंगों के अनुदिश किसी शैल के विभक्त होने की क्षमता जिससे शैल पतली-पतली चादरों की एक श्रेणी में विदलित हो जाता है । इसमें विदलन तलों के बीच की दूरी को मापा जा सकता है और यह आमतौर पर कुछ मिलिमीटर या सेंटीमीटर ही होती है । इस प्रकार का विदलन खनिजकणों के अभिविन्यास से पूर्णरूपेण स्वतंत्र होता है, अतः यह प्रवाह विदलन से बिल्कुल भिन्न होता है जिसमें कि खनिज कणों का समांतर अभिविन्यास ही विदलन (flow cleavage) को नियंत्रित करता है ।

geological map

भूवैज्ञानिक मानचित्र

वह मानचित्र जिस पर भूवैज्ञानिक सूचना आलेखित होती है । इसमें शैलसमूहों का वितरण प्रतीकों, प्रतिरूपों या रंगों द्वारा दर्शाया जाता है और वलनों, भ्रंशों तथा खनिज-निक्षेपों आदि को उपयुक्त प्रतीकों द्वारा दिखाया जाता है ।

geosyncline — **भूअभिनति**

भूपर्पटी में एक बड़ी तथा लंबी निम्नावलि (down warp) जिसमें पृष्ठ के विस्तार को कई कि.मी. में नापा जा सकता है और इसमें संचित अवसादों की मोटाई लगभग 10,000 मी. से 15,000 मी. तक हो सकती है। भूअभिनतियों का निर्माण आमतौर पर विश्व के ठोस शील्ड-क्षेत्रों या प्लेटफार्म क्षेत्रों के बीच अथवा उनके निकट होता है। ये कुछ समुचित संरचनात्मक विकास के साथ व्यापक अपरूपण के स्थल बन सकते हैं और यह बात सर्वमान्य है कि कई बड़े-बड़े पर्वत-तंत्रों का निर्माण संपीडित भूअभिनतिक अवसादों से होता है।

graben — **द्रोणिका, ग्राबेन**

दो सामान्य भ्रंशों के बीच की शैल पट्टी के धँसकने से उत्पन्न गर्त। सामान्यतः इसमें दोनों भ्रंशों के भ्रंश-तल एक दूसरे की ओर आनत होते हैं।

gravity fault — **गुरुत्वीय भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें उपरिभित्ति (hanging wall) आधारभित्ति (foot wall) के सापेक्ष नीचे की ओर स्खलित हो गई हो। सामान्य भ्रंश का समानार्थक।

growth fault — **वृद्धि भ्रंश**

प्रायः अवसादी शैलों में विद्यमान भ्रंश जो निक्षेपण क्रिया के साथ-साथ सतत रूप से बनते रहते हैं।

hade — **हेड, उन्नमन**

किसी भ्रंश तल (या शिरा आदि) द्वारा ऊर्ध्वाधर तल के साथ निर्मित कोण ।

hanging wall — **उपरिभित्ति**

विस्थापित शैल खंड जो भ्रंश-तल के ऊपर स्थित होता है ।

hormonic fold — **आवर्ती वलन**

किसी भ्रंश में ऐसे वलन जिसके विभिन्न सरस्तरों का तरंगदैर्ध्य एवं आयाम एक समान हो ।

heave — **अनुप्रस्थ विस्थापन, पार्श्वक्षेप**

भ्रंश के नतिलंब के लंबवत् ऊर्ध्वाधर काट में मापित शैलों के नति-सर्पण का क्षैतिज घटक ।

heterogeneous fabric domain — **विषमांगी संविन्यास प्रक्षेत्र**

वह संविन्यास प्रक्षेत्र जो सांख्यिकीय समांगता प्रदर्शित नहीं करता ।

heterotactic fabric — **विषमन्यासी संविन्यास**

वह संविन्यास जिसके सभी उपसंविन्यासों में सममिति असमान हो ।

hinge fault — **हिंज भ्रंश**

ऐसा भ्रंश जिसमें विस्थापन भ्रंश-तल के लंबवत् किसी अक्ष के सहारे हुआ हो । यह विस्थापन अक्ष से दूर जाने पर बढ़ता जाता है । इसकी तुलना कब्ज़े पर टिके दरवाजे के घुमाव से की जा सकती है ।

hinge line — **हिंज रेखा**

संरचनात्मक भूविज्ञान में, वह रेखा जिसके अनुदिश भ्रंशित खंड अथवा अधिकतम वलित स्तर परस्पर पृथक्कृत होते हुए जुड़े से रहते हैं ।

homogeneous fabric domain — **समांगी संविन्यास प्रक्षेत्र**

वह संविन्यास प्रक्षेत्र जो सांख्यिकीय समांगता प्रदर्शित करता है ।

homotactic fabric — **समन्यासी संविन्यास**

वह संविन्यास जिसके सभी उपसंविन्यासों में सममिति एक जैसी हो ।

Hook's law — **हूक का नियम**

इस नियम के अनुसार प्रत्यास्थ विरूपण में अनुप्रयुक्त प्रतिबल विकृति के समानुपाती होता है ।

horizontal separation — **क्षैतिज पृथकन**

भ्रंशन में क्षैतिज दिशा में नापी जाने वाली दो विस्थापित भागों के बीच की दूरी ।

horizontal slip — **क्षैतिज सर्पण**

भ्रंश में ऊर्ध्वाधर तल पर नेट सर्पण का क्षैतिज घटक ।

horst — **हॉर्स्ट**

दो समांतर नतिलंब वाले भ्रंशों के बीच भूपर्पटी का एक लंबा, संकरा खंड जो अपने दोनों तरफ के शैलों की अपेक्षा ऊपर उठ गया हो ।

inclined fold — **आनत वलन**

ऐसे वलन में जिसमें वलन को सममितिक रूप से विभाजित करने वाला तल झुका हुआ होता है और उसकी एक भुजा की नति दूसरी की अपेक्षा प्रवणतर होती है । कुछ भूवैज्ञानिक इस शब्द को उन वलनों के लिए सीमित करते हैं जिनमें प्रवणतर भुजा प्रतिवलित नहीं होती । जिन वलनों में अक्षीय तल क्षैतिज या लगभग क्षैतिज होते हैं उन्हें शयान वलन की संज्ञा दी जाती है ।

incompetent — **असमर्थ**

संरचनात्मक भूविज्ञान में यह शब्द उन शैल संस्तरों के लिए प्रयुक्त होता है जो अपेक्षतया दुर्बल होते हैं, अथवा वे संलग्न शैलों की अपेक्षा प्रतिबल को बिना विभंग के प्रेपित करने में बहुत कम समर्थ होते हैं ।

inequant fabric element — **सम/असमान संविन्यास अवयव**

वह संविन्यास अवयव जिसकी विमाएं बराबर न हों ।

inflexion point — **नतिपरिवर्तन बिंदु**

वलन की भुजा पर स्थित वह बिंदु जहां से अपनतिरूप अभिनतिरूप में अथवा अभिनतिरूप अपनतिरूप में परिवर्तित होता है ।

initial dip — **आदि नति**

संस्तरण-तलों के ढाल का वह कोण जो उनके निक्षेपण के दौरान ही बन जाता है न कि बाद में विक्षोभों या वलनों के कारण । कुछ भूवैज्ञानिकों

के अनुसार आदि नति, मूल नति (original dip) तथा स्थिरण और विभेदात्मक संहनन (differnetial compaction) के प्रभावों का प्रतिफल है; दूसरे शब्दों में यह अवसादन के परिणामस्वरूप बनता है न कि बाहरी कारकों के अतिक्रमण से ।

injection gneiss — **अंत:क्षेपण नाइस**

वह नाइस जिसकी पट्ट रचना पूर्णतः अथवा अंशतः ग्रेनाइटी मैग्माओं के स्तरानुस्तर अंत:-क्षेपण के कारण होती है ।

inlier — **नवांत:शायी**

प्राचीन शैलों का वह दृश्यांश (outcrop) जो चारों ओर से अपेक्षतया नवीन शैलस्तरों से घिरा होता है ।

intrafolial rootless fold — **विमूल अंत:शल्की वलन**

वह अंत:शल्कीय वलित संरचना जो स्थान विशेष तक ही सीमित हो । इस संपूर्ण संरचना में अत:शल्कीय वलन का टुकड़ा (जड़ विहीन होकर) अवलित शल्कनों के बीच तैरता हुआ प्रतीत होता है ।

isoclinal fold — **समनतिक वलन**

ऐसे वलन जिनके दोनों बाहुओं की नति समदैशिक एवं एक सामान हो ।

isotropy — **समदैशिकता**

चट्टानों के वे यांत्रिक गुणधर्म जो सभी दिशाओं में एक समान होते हैं ।

intrafolial fold — **अंत:शल्कीय वलन**

अवलित शल्कनों में स्थानीय रूप से विरूपित शल्कनों द्वारा बनी वलित सरचना ।

isocline — **समनति**

समनतिक स्तरों की एक श्रेणी, वह अपनति या अभिनति जो इस प्रकार से वलित हुआ हो कि उसके दोनों पार्श्वों या भुजाओं के शैल-संस्तरों की नति एक-सी हो जाती है ।

inverted limb — **व्युत्क्रमित भुजा**

प्रतिवलित भुजा का समानार्थी ।

joint — **संधि**

शैलों में एक प्रकार का विभंग या विभाजन तल जिनके अनुदिश शैलों का कोई सुप्रेक्ष्य संचलन नहीं हुआ होता है ।

joint set — **संधि समुदाय**

लगभग समांतर संधियों का एक समूह ।

joint system — **संधि समूह**

दो या अधिक प्रतिच्छेदी संधि-समुदायों का वर्ग जो कि किसी शैल संहति को सममित या असममित रूप से बिना विस्थापन के विभाजित करता है ।

key horizon — **सूचक होराइज़न**

जीवाश्मिक अथवा शैलिकीय आदि के किन्हीं विशिष्ट गुणों से युक्त वह संस्तर अथवा संस्तर-समूह जो इतना स्पष्ट हो कि उससे किसी क्षेत्र में उपस्थित शैलों की स्तरिकी एवं संरचनात्मक ढाँचे को समझने में सहायता मिले ।

klippe — **क्लिपे**

किसी क्षेप-भ्रंश की अधिक्षेपित चादर का अपरदित अवशेष जो अपरदन द्वारा मुख्य क्षेप चादर से अलग हो गया हो ।

laccolith — **लैकोलिथ**

गुंबदी आकार का अंतर्वेधी आग्नेय शैल-पिंड जो परिवेशी संस्तरों के साथ लगभग अनुस्तरी होता है । इसकी छत इस प्रकार से उभरी हुई होती है कि इसके उपरिशायी स्तरों में स्पष्ट अपनति जैसी संरचना होती है । इसका आधार सामान्यतः क्षैतिज होता है परंतु नीचे की ओर उत्तल (convex) भी हो सकता है ।

limb — **पाद**

वलन (अभिनतिक या अपनतिक) का पार्श्व ।

limb of fold — **वलन भुजा**

वलन के दो निकटतम हिन्ज बिंदुओं के बीच का क्षेत्र ।

linear fabric — **रेखीय संविन्यास**

वह संविन्यास जो पूर्णतया रेखीय संरचनाओं, यथा खनिज संरेखण, वलन हिन्ज रेखा, सूक्ष्मवलन संरेखण, श्लक्ष्ण पार्श्व आदि से निर्मित हों। इसके अंतर्गत संरेखण (lineation) एवं रेखीय संरचनाएं सम्मिलित हैं।

linear structure — **रेखीय संरचना**

वह रेखावत् संरचना जो किसी दिए हुए पैमाने पर शैल में सर्वव्याप्त न हो।

lineation — **संरेखण**

संरचनात्मक भूविज्ञान में इस शब्द का अभिप्राय उन संरचनाओं से है जो किसी दिए हुए पैमाने पर शैल में सर्वव्याप्त (pervasive) हों।

local unconformity — **स्थानीय विषमविन्यास**

स्थानीय विषमविन्यास, अपसंविन्यास (dis-conformity) की तरह होता है परंतु यह स्थानीय रूप से विकसित होता है।

low angle fault — **अल्प कोण भ्रंश**

वह भ्रंश जिसकी नति 45° से कम होती है।

L-S Tectonite — **एल-एस टेक्टोनाइट**

वह टेक्टोनाइट जिसमें तलीय तथा रेखीय दोनों ही संरचनाएं प्रधान होती हैं। यह मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं।

(क) संयुक्त (combined) एल-एस टेक्टोनाइट तथा

(ख) जटिल (complex) एल-एस टेक्टोनाइट ।

L-Tectonite

एल-टेक्टोनाइट

वह टेक्टोनाइट जिसमें रेखीय संरचनाएं प्रधान होती हैं । यह दो प्रकार से निर्मित हो सकता है :-

(क) रेखीय संविन्यासी अवयवों की रेखीय समांतरता के कारण ।

(ख) तलीय संविन्यासी अवयवों की रेखीय समांतरता के कारण ।

macroscopic (megascopic)

असूक्ष्म, स्थूल, स्थूलदर्शीय

इस शब्द का प्रयोग बिना किसी लेन्स की सहायता से केवल आँखों द्वारा किए गए प्रेक्षणों के लिए किया जाता है ।

major joints

मुख्य संधियां

किसी क्षेत्र में अति प्रबल रूप से विकसित संधियां ।

master joint

प्रधान संधि

शैलों में नियमित रूप से विद्यमान वह संधि जिसका विस्तार अन्य संधियों की अपेक्षा अधिक हो ।

microscopic — **सूक्ष्मदर्शीय**

(क) सूक्ष्मदर्शी से संबंधित अथवा उसके द्वारा संचालित ।

(ख) आकार में अत्यंत लघु ।

modulus of rigidity — **दृढ़ता गुणांक**

अपरूपणी प्रतिबल एवं अपरूपणी विकृति का अनुपात ।

monoclinal — **एकनतिक**

1. एकनति-संरचना से संबंधित ।
2. ऐसे संस्तरों से संबंधित जो केवल एक ही दिशा में झुके होते हैं ।

Mohr circle — **मोर वृत्त**

वह ग्राफीय निरूपण जो किसी बिंदु विशेष पर विकृति अनुपात अथवा प्रतिबल की अवस्था दर्शाता हो ।

monocline fold — **एकनति वलन**

किसी समतल प्राय क्षेत्र में ऐसी संरचना जिसमें क्षैतिज संस्तरों की नति स्थानीय रूप से प्रवणतर हो जाती है ।

mullion — **मुलियन**

वलित पृष्ठों पर अथवा उनके किसी भ्रंशित सतह के साथ-साथ विकसित समानांतर कटकों और खाँचों की एक तरंग जैसी संरचना ।

mural joint — **भित्ति संधि**

परस्पर लंबवत् संधियों का ऐसा समूह जो शैल को घन अथवा घनाभ रूप से विभक्त करता है ।

mylonitisation — **माइलोनाइटीकरण**

माइलोनाइट के निर्मित होने का प्रक्रम ।

mylonite — **माइलोनाइट**

भ्रंश-पृष्ठों पर संचलन के दौरान शैलों के चरम सूक्ष्मविखंडन (microbrecciation) और प्रेषण द्वारा निर्मित अल्पतः सूक्ष्मकणिक शल्कित शैल जिसके मूल खनिज चूर-चूर और संकर्षित होते हैं किंतु खनिज संघटन में कोई परिवर्तन नहीं आता । इन शैलों में कम या अधिक पुनः क्रिस्टलन भी दृष्टिगत होता है ।

nappe — **नापे**

एक विशाल शैल-पिंड जो शयान वलन या अधिक्षेपण द्वारा अपने मूल स्थान से आगे की ओर क्षैतिजतः खिसक कर मीलों दूर अन्य शैलों पर आरूढ़ हो जाता है ।

neo-tectonics — **नवविवर्तनिकी**

वह विवर्तनिक प्रक्रियाएं जो निकट पूर्व में घटित हुई हों अथवा वर्तमान में घटित हो रही हों ।

non-conformity — **असम विन्यास**

1. कोणीय विषमविन्यास (un- conformity) का समानार्थी ।

2. वह विषमविन्यास जिसमें प्राचीन शैल वितलीय उत्पत्ति के होते हैं ।

non-crystallographic domain — **अक्रिस्टलिक प्रक्षेत्र**

इस प्रक्षेत्र के अंतर्गत एकल क्रिस्टल से बड़ा समांगी क्षेत्र निहित होता है । इस प्रक्षेत्र में संविन्यास का विकास क्रिस्टलिकी के नियमों द्वारा नियंत्रित नहीं होता ।

noncylindrical fold — **अबेलनी वलन**

ऐसा वलन जो बेलनाकार न हो ।

non-penetrative fabric — **अव्याप्त संविन्यास**

किसी प्रक्षेत्र में पाया जाने वाला वह संविन्यास जो उस प्रक्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक स्तर पर व्याप्त न हो ।

non-tectonic — **अविवर्तनिक**

विवर्तनिक प्रक्रम न होने की क्रिया के लिए प्रयुक्त एक विशेषण ।

normal anticlinorium — **प्रसामान्य समपनति**

वह समपनति जिसमें गौण वलनों के अक्षीय तल नीचे की ओर परस्पर मिलते हुए प्रतीत होते हैं ।

normal fault — **सामान्य भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें उपरिभित्ति, आधार भित्ति के सापेक्ष में नीचे खिसकी हुई होती है ।

normal fold — **सामान्य वलन**

वह वलन जिसका अक्षीय तल अनिवार्यत: ऊर्ध्वाधर होता है, अर्थात् जिसकी दोनों भुजाएं समान कोणों पर नत होती हैं ।

normal synclinorium — **प्रसामान्य समभिनति**

वह समभिनति जिसमें गौण वलनों के अक्षीय तल नीचे की ओर परस्पर अलग होते हुए प्रतीत होते हैं ।

normal limb — **सामान्य भुजा**

वलन की वह भुजा जिसमें संस्तर अपने सामान्य क्रम में हो अर्थात् नूतन शैल ऊपर एवं पुरातन शैल नीचे स्थित हों ।

open fold — **विवृत वलन**

वह वलन जिसमें अंतराभुजीय कोण (inter-limb) 70° से 120° के बीच हो ।

open fault — **विवृत भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें दोनों भित्तियां पृथक्कृत रहती हैं ।

outcrop — **1. दृश्यांश, 2. अंशदर्शन**

1. शैल समूह का वह भाग जो भूमि की सतह पर दृष्टिगत होता है । और भी सामान्य अर्थ में यह शब्द उन क्षेत्रों के लिए भी प्रयुक्त होता हैं जहाँ शैलसमूह मृदा के ठीक नीचे स्थित होता है चाहे वह बाहर भले ही न दिखाई पड़े ।

2. आधार शैल या किसी असंपीडित निक्षेप का भूमि की सतह तक बाहर निकलना ।

outlier — **पुरांत:शायी**

वह क्षेत्र जिसमें नूतन शैल अथवा शैल समूह, पुरातन शैलों से घिरे हुए हों ।

over fold — **प्रतिवलित वलन**

देखिए 'overturned fold'

overlap — **अतिव्याप्ति**

विषमविन्यास का एक प्रकार जिसमें नवीन संस्तर क्रमिक रूप से अपेक्षतया पुराने संस्तरों के ऊपर उनके कोरों से आगे तक फैले रहते हैं ।

overthrust — **1. अधिक्षेपण 2. अधिक्षेप**

1. किसी शैल-संहति का दूसरी शैल-संहति के ऊपर अपेक्षतया एक अल्प कोणीय नति वाले भ्रंश-तल के अनुदिश क्षेपित होना ।
2. वह शैल-संहति जो दूसरी शैल-संहति के ऊपर अधिक्षेपण के दौरान क्षेपित हो गई हो ।

overthrust fault — **अधिक्षेप भ्रंश**

वह उत्क्रम भ्रंश जिसके तल की नति 10° से कम तथा नेट सर्पण अधिक हो । इसमें उपरिभित्ति खंड सक्रिय होता है ।

overturned fold — **प्रतिवलित वलन**

वलन का वह प्रकार जिसमें अक्षीय तल नमित होता है और उसकी दोनों भुजाएँ प्रायः भिन्न कोणों पर एक ही दिशा में नत होती हैं । इस प्रकार के वलनों में प्रतिवलित भुजा के संस्तरों का क्रम भी उलट जाता है ।

overturned limb — **प्रतिवलित भुजा**

वलन की वह भुजा जिसमें संस्तरों का सामान्य क्रम उलट गया हो अर्थात् पुरातन शैल ऊपर एवं नूतन शैल नीचे विद्यमान हो जाते हैं ।

parallel fold — **समांतर वलन**

संकेंद्री वलन (concentric fold) का समानार्थी ।

π-Diagram — **π-आरेख**

त्रिविम नेट पर किसी सतही संरचना के अभिलंब ध्रुवों का अभिविन्यास दर्शाने वाला आरेख ।

pencil cleavage — **पेंसिल विदलन**

समान रूप से सुविकसित मुख्य विभंग तथा तिर्यक्/लंबवत् विभंगों के प्रतिच्छेद जब सम-चतुर्भुजाकार हो जाते हैं अथवा वर्गाकार तो ऐसी संरचना पेंसिल विदलन कहलाती है ।

penetrative fabric — **व्याप्त संविन्यास**

किसी प्रक्षेत्र में पाया जाने वाला वह संविन्यास जो उस प्रक्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक स्तर पर व्याप्त हो ।

petro fabrics — **शैल संविन्यास**

देखें structural petrology ।

pitch of fold — **वलन-अक्षनति**

क्षैतिज रेखा एवं वलन अक्ष के बीच वह कोण जो वलन के अक्षीय तल पर नापा जाता है ।

planar fabric — **तलीय संविन्यास**

वह संविन्यास जो पूर्णतया तलीय संरचनाओं यथा - संस्तरण, शिष्टाभता, विभंग आदि से निर्मित हो ।

planar structure — **तलीय संरचना**

शैलों में स्थित वह तल जिसके अनुदिश विभंजन सरल होता है । उदाहरणत: संस्तर तल, शल्कन, संधि आदि ।

plastic deformation — **प्लास्टिक विरूपण, सुघट्य विरूपण**

प्रतिबलों के फलस्वरूप किसी ठोस पदार्थ में विभंग रहित स्थायी विरूपण ।

plate boundary — **प्लेट सीमा**

दो स्थलमंडलीय प्लेटों की वह सीमा जहां पर उनके किनारे (margins) मिलते हों ।

plate junction — **प्लेट संगम**

वह स्थल जहाँ पर तीन अथवा अधिक स्थलमंडलीय प्लेट मिलते हों ।

5— —89/CSTT/ND/98

plate margin — **प्लेट उपांत**

स्थलमंडलीय प्लेट का छोर अथवा किनारा।

plunge — **अवनमन**

ऊर्ध्वाधर तल पर किसी वलन की हिंज रेखा तथा क्षैतिज रेखा के बीच का कोण।

plunging fold — **अवनमनी वलन**

वह वलन जिसकी हिन्ज रेखा क्षैतिज न हो।

Poisson's ratio — **प्वासों अनुपात**

अनुप्रस्थ विकृति एवं अक्षीय विकृति का अनुपात।

projection — **प्रक्षेपण, प्रक्षेप**

एक समतल या अन्य पृष्ठ पर किसी अभीष्ट वस्तु की आकृति बनाने की क्रिया या उसका निरूपण जो बिंदुशः मूल वस्तु की आकृति के अनुरूप होता है। प्रक्षेपण की कई विधियाँ होती है, जैसे – त्रिविम प्रक्षेपण, गोलीय प्रक्षेपण आदि।

ptygmatic fold — **सर्पगतिक वलन**

समर्थ खनिज शिराओं अथवा परतों में निर्मित वलन जिसकी संरचना सर्पिल होती है।

pucker — **पकर, प्रकुंच**

एस-तहों पर विकसित सूक्ष्म वलन।

quaquaversal — **सर्वतोनतिक, गुंबदी**

किसी केंद्रीय बिंदु से बाहर की ओर सभी दिशाओं में नत होने वाला, जैसे स्तरित शैलों में कोई गुंबद ।

quaquaversal fold — **सर्वतोनतिक वलन**

वह वलन जिसमें वलन-शीर्ष पर स्थित एक केंद्रीय बिंदु से संस्तर सभी दिशाओं की ओर नत होते हैं ।

rab — **रैब**

'pencil cleavage' का समानार्थी ।

reclined fold — **अवनत वलन**

वह वलन जिसके अक्ष एवं अक्षीय तल का झुकाव एक ही दिशा में हो ।

recumbent fold — **शयान वलन**

वह वलन जिसका अक्षीय तल क्षैतिज हो ।

reversed limb — **उत्क्रमित भुजा**

प्रतिवलित भुजा का समानार्थी ।

reverse fault — **उत्क्रम भ्रंश**

वह भ्रंश जिसमें उपरिभित्ति (hanging wall) आधारभित्ति (foot wall) के सापेक्ष ऊपर की ओर संचलित हुई प्रतीत होती है । सीमित अर्थों में क्षेप भ्रंश का समानार्थी ।

reverse flowage fold **उत्क्रम प्रवाही वलन**

वह प्रवाही वलन जिसमें शैल का बहाव अपनतिक शीर्ष की ओर हुआ हो । 'प्रवाही वलन' (flowage fold) का विलोम ।

rheid folding **रीड वलन**

वह वलन जिसमें संस्तर का विरूपण तरल के प्रवाह के समान प्रतीत होता है ।

rheology **विरूपण प्रवाहिकी**

विज्ञान की वह शाखा जिसमें द्रव्य के प्रवाह एवं स्थायी विरूपण का अध्ययन किया जाता है ।

rift **1. रिफ्ट 2. अनुपाट**

1. (क) नतिलंब सर्पण भ्रंश से प्रतिफलित एक क्षेत्रीय विस्तार की पट्टी ।

   (ख) किसी भ्रंश या भ्रंश-क्षेत्र के अनुरेख की दिशा में निर्मित एक लंबा तथा संकीर्ण गर्त ।

2. ग्रेनाइट शैलों में विपाटन (splitting) की सरलतम दिशा ।

rigidity **दृढ़ता**

पदार्थ का वह गुण जो बाह्य बलों द्वारा होने वाली आकृति परिवर्तन का विरोध करता है ।

rose diagram — **रोज़ आरेख**

ऐसा आरेख जिसमें वर्ग-अंतराल को कोणीय रूप में दर्शाया जाता है । इसमें कोणीय चापों की त्रिज्या आवृत्ति के समानुपाती होती है ।

rupture — **संविदारण**

किसी पदार्थ में विरूपण अथवा विभेदी प्रतिबल के कारण स्थान-विशेष पर अणुओं के आसंजन का नष्ट होना । विभंग का समानार्थी ।

schistosity — **शिष्टाभता**

किसी शल्कित शैल का वह गुण जिसके कारण उसे पतले पत्रकों (flakes) में विभक्त किया जा सकता है । यह गुण कायांतरण के कारण पटलित खनिजों के विदलन तलों की समांतरता पर निर्भर करता है जिसके कारण उसमें शल्कन (foliation) उत्पन्न हो जाता है ।

separation — **पार्थक्य, अंतराल**

किसी भ्रंशित संस्तर (faulted bed) अथवा शिरा के दो पृथक्कृत पृष्ठों के बीच की दूरी का माप ।

shear joints — **अपरूपणी संधि**

शैलों में अपरूपण क्रिया के परिणामस्वरूप बने संधि तल जो एक दूसरे को लगभग 60° का कोण बनाती हुई प्रतिच्छेदित करती हैं ।

sheath fold — **आच्छद वलन**

हिंज रेखा के अनुदिश वक्रता वाला वलन जिसमें हिंज सतह के भीतर ही 90° से अधिक घूम जाती है ।

shaly cleavage — **शेलवत् विदलन**

संस्तरण-तल (bedding plane) के समांतर विदलन ।

sheet — **चादर, अस्तर**

(क) उद्गारी शैल की एक सपाट संहति जो अन्य स्तरों के अंतर्वेधित या उनके उपरिशायी हो सकती है ।

(ख) अवसादी शैलों का विस्तृत सपाट पिंड ।

sheet structure — **चादर संरचना**

शैलों में अनेक दीर्घांतराली, समांतर संधियों के निर्माण के फलस्वरूप उत्पन्न संरचना जिसके कारण शैल प्लेटों या चादरों में विभक्त हो जाता है ।

sill — **सिल**

ऐसा अंतर्भेदी पिंड जिसकी मोटाई पार्श्व विस्तार की तुलना में कम हो तथा जो स्थानीय शैलों के संस्तरण के समांतर अधिस्थापित हो ।

similar fold — **समरूप वलन**

वह वलन जिसके सभी संस्तरों का मोड़ एक जैसा हो । ऐसे वलन में हिंज पर संस्तरों की मोटाई भुजाओं के संस्तरों की मोटाई से अधिक होती है ।

slaty cleavage — **स्लेटी विदलन**

शल्कन का एक प्रकार जो स्लेटों में प्रारूपिक रूप से मिलता है परंतु यह कई अन्य प्रकार के कायांतरित शैलों में भी पाया जाता है । इस प्रकार का शल्कन सामान्यत: सपाट या दीर्घवृत्तज खनिजों के समांतर विन्यास के कारण प्रतिफलित होता है ।

slip — **सर्पण, विसर्पण**

किसी भ्रंश के उन दो भागों का सापेक्ष विस्थापन जो पहले पास-पास स्थित थे । इसे भ्रंश-पृष्ठ में नापा जाता है ।

slip folding — **सर्पण वलन**

अपरूपणी वलन (shear folding) का समानार्थी ।

sole thrust fault — **तली क्षेप भ्रंश**

1. किसी नापे के अधस्तल (bottom) में अवस्थित अल्पकोणिक क्षेप भ्रंश ।
2. वह मुख्य भ्रंश जो कोरछादी (imbricate) संरचना के अधस्तल में हो ।

S-tectonite — **एस-टेक्टोनाइट**

वह टेक्टोनाइट जिसमें तलीय संरचनाएँ (S-surfaces) प्रधान होती हैं । यह दो प्रकार का होता है –

(क) तलीय संविन्यास अवयवों की तलीय समांतरता के कारण,

(ख) रेखीय संविन्यासी अवयवों की तलीय समांतरता के कारण ।

step fault — **सोपानी भ्रंश**

समांतर भ्रंशों की एक श्रेणी जिसमें प्रत्येक भ्रंश का अवपात (down throw) क्रमबद्ध रूप से एक ही ओर होता है जिससे प्रतिफलित संरचना एक सीढ़ी सदृश दृष्टिगत होती है ।

stereogram — **त्रिविम आरेख**

संरचनात्मक लक्षणों के मध्य कोणीय संबंधों को दर्शाने वाला एक प्रकार का प्रक्षेपी आरेख जिसका उपयोग त्रिविमीय लक्षणों के निरूपण एवं उनके परस्पर संबंधों के अध्ययन हेतु किया जाता है ।

stress-strain diagram — **प्रतिबल-विकृति आरेख**

प्रतिबल और विकृति के परस्पर संबंध को दर्शाने वाला एक आरेख ।

strike — **नतिलंब**

किसी संस्तरण तल, शिरा, भ्रंश, स्लेटी विदलन, शिष्टाभता अथवा इस प्रकार की अन्य भूवैज्ञानिक संरचना के क्षैतिज तल के साथ प्रतिच्छेदन से निर्मित रेखा की दिशा जो यथार्थ नति के साथ समकोण बनाती है ।

strike fault — **नतिलंब भ्रंश**

वह भ्रंश जिसका नतिलंब सतरों के नतिलंब के समांतर या लगभग समांतर होता है ।

strike joint — **नतिलंब संधि**

वह संधि जिसका नतिलंब संस्तरण अथवा प्रमुख शल्कनों के समांतर होता है ।

strike-shift — **नतिलंब अंतरण**

देखें 'strike-slip fault'

strike slip — **नतिलंब सर्पण**

किसी भ्रंशित पृष्ठ के दोनों ओर संलग्न संस्तरों के बीच की दूरी जो भ्रंश के नतिलंब की दिशा में मापी जाती है ।

structure — **संरचना**

1. किसी क्षेत्र के संरचनात्मक लक्षणों का सामूहिक स्वरूप ।
2. शैल-संहति के बृहत् लक्षणों में से कोई भी लक्षण जैसे संस्तरण, प्रवाह पट्ट, संधि, विदलन तथा संकोणाश्मन (brecciation) और इन सभी लक्षणों का समुच्चय भी ।

structural geology — **संरचनात्मक भूविज्ञान**

भूविज्ञान की वह शाखा जिसमें शैलों में विरूपण कारक बलों के द्वारा होने वाले परिवर्तन अथवा उससे प्रतिफलित संरचनाओं का अध्ययन किया जाता है ।

structural heterogeneity — **संरचनात्मक विषमांगता**

जब शैल किसी दिए हुए पैमान पर सर्वत्र एक जैसी संरचनाएँ प्रदर्शित नहीं करते । structural homogeneity भी देखें ।

structural homogeneity — **संरचनात्मक समांगता**

शैल कभी-कभी किसी दिए हुए पैमाने पर सर्वत्र एक जैसी संरचनाएँ प्रदर्शित करते हैं । शैलों का यह लक्षण संरचनात्मक समांगता को निरूपित करता है । सामान्यत: इसे सांख्यिकीय आधार पर देखा जाता है ।

structural petrology — **संरचनात्मक शैलिकी**

संरचनात्मक भूविज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत शैल गठन एवं संरचनात्मक अवयवों की उत्पत्ति के विषयमें अध्ययन किया जाता है । इस अध्ययन का उद्देश्य शैल अथवा शैल खंडों का संरचनात्मक इतिहास ज्ञात करना (structural history) होता है ।

subfabric — **उपसंविन्यास**

किसी संविन्यास का वह छोटा हिस्सा जो समांगी हो ।

superposed fold — **अध्यारोपित वलन**

वह वलन जो किसी पूर्ववर्ती संरचना या वलन पर आरोपित हो ।

suprataneous fold — **अतितनु वलन**

वलन का वह प्रकार जिसके क्रोड की वक्रता बाह्य सतहों की वक्रता से अधिक होती है । इन वलनों के शीर्ष पर संस्तर-क्रमों की मोटाई पाश्र्वों की तुलना में बहुत कम होती है ।

symmetric fold — **सममितिक वलन**

वह वलन जिसका अक्षीय तल उसे दो सममित भागों में विभाजित करता है ।

syncline — **अभिनति**

वह वलन जिसमें दोनों भुजाओं के संस्तर भीतर की ओर (अक्ष की ओर) आनत होते हैं । इसके क्रोड में नूतन शैल विद्यमान रहते हैं । अपनति (anticline) का विपरीतार्थक ।

synclinorium — **समभिनति**

अपनतियों और अभिनतियों की ऐसी शृंखला जिसमें संरचनाएँ इस प्रकार से उपस्थित रहती हैं कि कुल मिलाकर उनकी सामान्य रूपरेखा एक विशालकाय अभिनति-सी लगती है । यह शब्द अपेक्षाकृत अधिक विस्तार वाले ऐसे वलनों के लिए प्रयुक्त किया जाता है जिनका विस्तार किलोमीटर होता है ।

synform — **अभिनतिरूप**

ऊपर की ओर ऐसा अवतल (concave) वलन जिसमें स्तरिक अनुक्रम ज्ञात न हो ।

synformal anticline — **अभिनतिरूपी अपनति**

ऊपर की ओर अवतल अपनति जिसके क्रोड में पुरातन शैल उपस्थित हों ।

synthetic fault — **अनुनति भ्रंश**

वह गौण भ्रंश जिसकी नति प्रधान भ्रंश की नति की दिशा में हो ।

tear fault — **विदारण भ्रंश**

वह नतिलंब सर्पण भ्रंश जो विरूपित शैलों के नतिलंब की दिशा के अनुप्रस्थ होता है ।

tension joint — **तनाव संधि**

तनावमूल्क बलों से उत्पन्न संधियां ।

tectonic — **विवर्तनिक**

भू-पर्पटी के विरूपण के परिणामस्वरूप बनी और उनके बाह्‌य रूपों से संबंधित ।

tectonite — **टेक्टोनाइट**

वह शैल जिसमें विवर्तनिक प्रक्रमों से उत्पन्न संविन्यास उपस्थित हों । यह मुख्यत: तीन प्रकार का होता है - (क) एल-टेक्टोनाइट, (ख) एस-टेक्टोनाइट, (ग) एल-एस टेक्टोनाइट ।

tight fold

संवृत वलन

वह वलन जिसमें अंतराभुजीय कोण (interlimb angle) 0° से 30° के बीच हो ।

transform plate boundary

रूपांतर प्लेट सीमा

conservative plate boundary की परिभाषा देखें ।

transverse fault

अनुप्रस्थ भ्रंश

वह भ्रंश जिसका नतिलंब क्षेत्रीय संरचँना के नतिलंब के समांतर न हो ।

true folding

वास्तविक वलन

आनमन वलन (flexure fold) का समानार्थी ।

throw

पात

भ्रंशन से प्रतिफलित ऊर्ध्वाधर विस्थापन का परिणाम ।

thrust fault

क्षेप भ्रंश

ऐसा उत्क्रम भ्रंश (reverse fault) जिसकी नति 45° से कम हो ।

thrust nappe

क्षेप नापे

किसी विस्तृत पैमाने पर हुए क्षेपण के कारण उत्पन्न नापे ।

trough — **द्रोणी, द्रोणिका**

सामान्यतया वह कोई भी लंबा, संकीर्ण प्रणाल या गर्त जैसा कि पहाड़ियों अथवा तरंगों के बीच होता है । संरचनात्मक भूविज्ञान में इस शब्द का प्रयोग अभिनतियों और संकीर्ण संरचनात्मक अवनमनों (यथा - ग्राबेन) के लिए किया जाता है ।

trough fault — **द्रोणिका भ्रंश**

संरचनात्मक भूविज्ञान में वे दो भ्रंश जिनकी दिशा लगभग एक ही होती है परंतु वे एक दूसरे की ओर इस प्रकार नत होते हैं कि उनके बीच की शैल-संहति प्रायः फानाकार (wedge shaped) हो जाती है ।

true dip — **यथार्थ नति**

किसी तल की क्षैतिज महत्तम नति जो नतिलंब के लंबवत् किसी ऊर्ध्वाधर तल में नापी जाती है ।

upright fold — **खड़ा वलन**

वह वलन जिसके अक्षीय तल की नति 80° या अधिक हो ।

uplift — **उत्थान**

1. भूपर्पटी के किसी भाग के ऊपर उठने (उत्थापन) का प्रक्रम ।
2. भूपर्पटी का कोई उत्थित भाग ।

upthrow — **ऊर्ध्वपात**

किसी भ्रंश के उस पार्श्व का स्तर-खंड या शैल-संहति जो अपेक्षाकृत ऊपर की ओर विस्थापित हो गई हो। इसका प्रयोग ऐसी निश्चित धारणा के साथ किया जाना चाहिए कि यह मात्र सापेक्ष विस्थापन को व्यक्त करता हो न कि निरपेक्ष विस्थापन को।

upthrow block — **ऊर्ध्वपाती खंड**

वह शैल खंड जो किसी भ्रंशतल के नति सर्पण घटक (dip-slip component) के अनुदिश सहभागी भ्रंशखंड के सापेक्ष ऊपर की ओर विस्थापित होता है।

upthrust — **उत्क्षेप**

ऐसा उच्चकोणिक भ्रंश जिसमें उत्थित खंड अपेक्षाकृत सक्रिय रहा हो और अवपाती खंड स्थिर रहा हो।

vertical fold — **ऊर्ध्ववलन**

वह वलन जिसका अक्षीय तल एवं अक्ष दोनों ही ऊर्ध्वाधर हों।

vertical joint — **ऊर्ध्व संधि**

वह संधि जिसके तल की नति लगभग 90° हो।

wavelength of fold — **वलन तरंगदैर्ध्य**

किसी वलन में दो क्रमागत पार्श्विक अभिनतिरूप अथवा अपनतिरूप के हिंजों के बीच की दूरी।

Wilson cycle — **विल्सन चक्र**

वह चक्रीय प्रक्रम जिसमें किसी निकटवर्ती महाद्वीपीय उपांत के सापेक्ष महासागर के उद्भव से लेकर विलोपन तक की प्रक्रियाएँ घटित होती हैं ।

wrench fault — **रेंच भ्रंश**

ऐसा भ्रंश जो मुख्यतया नतिलंब के अनुदिश सर्पण दर्शाता है । इसे नतिलंब सर्पण भ्रंश भी कहते हैं ।

yield point — **लब्धि बिंदु**

देखें 'yield stress'.

yield stress — **लब्धि प्रतिबल**

वह विभेदी प्रतिबल जिस पर किसी द्रव्य में स्थायी विरूपण आरंभ होता है ।

Young's modulus — **यंग गुणांक**

सरल रेखीय दिशा में किसी प्रत्यास्थ (elastic) पदार्थ पर लगाए गए प्रतिबल एवं उससे उत्पन्न विकृति का अनुपात । इसे 'E' से व्यक्त किया जाता है ।

□

89/CSTT/ND/98—1,100 Copies September '98—MGITBPChdg

PED—765

1100—1998 (DSK II)

मूल्य : रु॰ 13.50

Printed by the Manager, Government of India Text-Books Press, Chandigarh-160007 and published by the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054,